पीआरजीआई से प्रदत्त पंजीयन संख्या-UAHIN/25/A3123

www.parvatprerna.com

सांध्य दैनिक

पर्वत प्रेरणा

निष्पक्ष एवं निर्भीकता के साथ सम्पूर्ण राज्य का एक संस्करण

वर्ष : 2 | अंक : 264 | हल्द्वानी | बुधवार , 29 अप्रैल 2026 | मूल्य 1.00 रुपये | पृष्ठ: 8

एक नजर

श्री यमुनोत्री-गंगोत्री धाम यात्रा ने पार किया 1 लाख का आंकड़ा

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा के अंतर्गत यमुनोत्री धाम और गंगोत्री धाम की पवित्र यात्रा में श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। 19 अप्रैल से शुरू हुई यात्रा के तहत दोनों धामों में श्रद्धालुओं की संख्या 1 लाख के आंकड़े को पार कर चुकी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम तक कुल 1,01,645 श्रद्धालु दोनों धामों में दर्शन कर चुके हैं। यह आंकड़ा श्रद्धालुओं की गहरी आस्था और प्रशासन की बेहतर व्यवस्थाओं को दर्शाता है।

गर्मी और शादी सीजन में ट्रेनों पर दबाव

रुड़की। गर्मियों की छुट्टियों, शादी समारोह सीजन और जरूरी कार्यों के चलते यात्रियों ने रेलवे सफर का रुख कर लिया है। इसका असर यह हुआ है कि रुड़की रेलवे स्टेशन से चलने वाली अधिकांश ट्रेनों में कंफर्म टिकट मिलना बेहद कठिन हो गया है। यात्री टिकट के लिए रेलवे स्टेशन और ट्रेवल एजेंसियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। रेलवे आरक्षण काउंटर पर रोजाना लंबी कतारें लग रही हैं। यहां पहुंचने वाले यात्रियों को पता चल रहा है कि आने वाले दो महीनों तक कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल है। बड़ी संख्या में यात्रियों को 50 से अधिक वेटिंग वाले टिकट ही मिल पा रहे हैं। रुड़की से लंबी दूरी तक जाने वाली कई प्रमुख ट्रेनों में सीटों की स्थिति पूरी तरह फुल हो चुकी है। इनमें कोलकाता एक्सप्रेस,बांद्रा एक्सप्रेस,हेमकुंड एक्सप्रेस,लखनऊ सुपरफास्ट एक्सप्रेस, जैसी ट्रेनों में कंफर्म सीट मिलना मुश्किल हो गया है। स्लीपर कोच में भी स्थिति सामान्य नहीं है। मुख्य आरक्षण पर्यवेक्षक राजू ने बताया कि स्कूल-कॉलेजों में गर्मी की छुट्टियां और शादी समारोहों के चलते ट्रेनों में यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। आम दिनों की तुलना में यह सीजन अगले दो महीनों तक जारी रहेगा, जिससे कंफर्म टिकट मिलना चुनौती बना रहेगा ।कुल मिलाकर, मौजूदा हालात में बिना पूर्व योजना के रेलवे यात्रा करना यात्रियों के लिए मुश्किल साबित हो रहा है।

बंगाल में एक बजे तक 61 प्रतिशत से अधिक मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आज दूसरे चरण के मतदान में दोपहर एक बजे तक 61 प्रतिशत से अधिक मतदान हो चुका है। दक्षिण 24 परगना जिले के डायमंड हार्बर क्षेत्र में मतदान के दौरान कथित अनियमितताओं को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। भाजपा ने टीएमसी पर चुनावी धांधली के गंभीर आरोप लगाए हैं और संबंधित बूथों पर पुनर्मतदान की मांग की है। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए दावा किया कि कई मतदान केंद्रों पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन में कुछ बटनों पर टेप चिपकाकर उन्हें निष्क्रिय कर दिया गया। उनके अनुसार, इससे मतदाता अपनी पसंद के उम्मीदवार को वोट देने में बाधित हुए, विशेषकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने का विकल्प प्रभावित हुआ। मालवीय ने अपने आरोपों में कहा कि यह कथित तौर पर डायमंड हार्बर मॉडल का हिस्सा है।

तबादलों पर रोक, जिलों से नहीं पहुंचे प्रस्ताव

धारा 27 के तहत शिक्षकों के तबादले लटके, मुख्य सचिव की बैठक के बाद भी नहीं बढ़ी प्रक्रिया

देहरादून। इस वर्ष भी तबादला प्रक्रिया प्रशासनिक सुस्ती का शिकार होती नजर आ रही है। शिक्षा विभाग में शिक्षकों और कर्मचारियों के अनिवार्य एवं अनुरोध आधारित तबादले अब तक शुरू नहीं हो सके हैं। सबसे गंभीर स्थिति धारा 27 के अंतर्गत होने वाले शिक्षकों के तबादलों की है, जिनके प्रस्ताव अब तक जिलों से शिक्षा निदेशालय नहीं पहुंच पाए हैं।

जानकारी के अनुसार शिक्षा निदेशालय ने 28 मार्च 2026 को सभी जिलों से तबादला अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर अभिलेखों सहित प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जिलों की ओर से प्रस्ताव नहीं भेजे गए हैं, जिससे पूरी प्रक्रिया ठप पड़ी हुई है।

हाल ही में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में तबादलों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक भी आयोजित की गई थी। बैठक में प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। स्थिति यह है कि अधिकांश विभाग कर्मचारियों से अनिवार्य तबादलों के लिए निर्धारित 10 विकल्प (प्राथमिकताएं) तक नहीं ले पाए हैं। यह प्रक्रिया का अहम हिस्सा माना जाता है, जिसके बिना तबादलों की पारदर्शिता और संतुलन प्रभावित होता है। तबादलों में हो रही देरी का सीधा असर स्कूलों की व्यवस्था पर पड़ रहा है। कई विद्यालयों में शिक्षकों की कमी बनी हुई है, जबकि कुछ स्थानों पर आवश्यकता से अधिक शिक्षक तैनात हैं। इससे न केवल शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहा है, बल्कि शिक्षकों में असंतोष भी बढ़ता जा रहा है। स्पष्ट दिशा-निर्देशों और उच्चस्तरीय बैठकों के बावजूद प्रक्रिया का अटकना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। तबादला अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की चुनौती एक बार फिर सामने आ गई है।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जिलों से प्रस्ताव मिलते ही प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। हालांकि, देरी के कारणों पर स्पष्ट जवाब नहीं मिल पाया है। इधर धारा 27 के अंतर्गत तबादले न होने के कारण कई शिक्षक परेशान नजर आ रहे हैं।

मित्र पुलिस पर सवाल: चालान के बाद युवक की मौत

लोहाली में पसरा मातम और आक्रोश

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

भवाली (नैनीताल)। जिले के लोहाली क्षेत्र में युवक बालम सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

बेंगलूरू में होटल में कार्यरत बालम सिंह बीमार पिता की सेवा के लिए घर आया था, लेकिन यह उसकी अंतिम यात्रा साबित हुई।

बताया जा रहा है कि बालम सिंह अपने माता-पिता का इकलौता सहारा था। पिता बीमार और मां दिव्यांग हैं। ऐसे में उसकी असमय मौत ने परिवार को पूरी तरह तोड़ दिया है। घटना के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है, वहीं पत्नी और

बच्चों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नदी किनारे वीडियो बनाने के दौरान पुलिस ने युवक का चालान किया था। इसके बाद युवक के आत्महत्या करने की बात सामने आई है, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, एसपी डॉ. जगदीश चंद्रा ने पुलिस पर लगे आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि युवक के शराब के नशे में होने की पुष्टि मेडिकल में हुई थी, जिसके आधार पर पुलिस एक्ट में चालान कर उसे परिजनों को सौंप दिया गया था। पुलिस द्वारा किसी प्रकार की मारपीट से इनकार किया गया है। एसपी के अनुसार, मामले की जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और यदि कोई पुलिसकर्मी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

परिवार का इकलौता सहारा था बालम

बालम सिंह अपने बीमार पिता और दिव्यांग मां का एकमात्र सहारा था। उसकी मौत ने न केवल माता-पिता को बेसहारा कर दिया, बल्कि पत्नी और बच्चों के भविष्य पर भी संकट खड़ा कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए।

बदला मौसम का मिजाज, गर्मी से मिली राहत

हल्द्वानी (पर्वत प्रेरणा संवाददाता)। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम सुहावना होने का असर मैदानी इलाकों में भी दिखाई दिया। हल्द्वानी और आसपास के क्षेत्रों में लोगों को आज भीषण गर्मी से राहत मिली।

दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रही और कई स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी हुई, जिससे मौसम खुशनुमा हो गया। तापमान में गिरावट आने से लोगों ने राहत की सांस ली।

मौसम विभाग के अनुसार देर शाम तक बारिश होने की संभावना बनी हुई है। बदलते मौसम को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की सलाह भी दी गई है।

टांडा रेंज में हाथी का तांडव: दो की संदिग्ध मौत

एक मृतक की पहचान, दूसरे की शिनाख्त के प्रयास, दहशत

लालकुआं (नैनीताल)। लालकुआं से सटे टांडा रेंज के जंगल में जंगली हाथी के हमले से दो लोगों के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है। दोनों मृतकों के शरीर पर चोट के निशान दिखाई दे रहें हैं मौके पर वनाधिकारी व प्रशासन की टीम पहुंच चुकी है। घटना जंगल के पहाड़ी खत्ते क्षेत्र में बीती रात की बताई जा रही है, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई है।

जानकारी के अनुसार, मृतक एक व्यक्ति जो मजदूरी का कार्य करता था।

उसकी शिनाख्त हो पायी है जबकि दूसरे की शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे हैं। मौके पर ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आक्रामक हुए हाथी ने दोनों पर हमला कर उन्हें पटक-पटक कर मार डाला।

आज प्रातः दोनों के शव जंगल में पड़े मिले। घटनास्थल पर तारबाड़ टूटी हुई पाई गई, साथ ही हाथी के पैरों के निशान भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिए, जिससे हमले की पुष्टि होती है।

मृतकों में से एक की पहचान बांधो प्रजापति उम्र 75, निवासी झारखंड के रूप में हुई है, जो मजदूरी का कार्य करता था बताया गया। वहीं दूसरे मृतक की शिनाख्त के लिए वन विभाग और प्रशासन प्रयास कर रहा है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग, पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी। अधिकारियों द्वारा घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया जा रहा है, साथ ही हाथी की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। एसडीएम लालकुआं रेखा कोहली ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि राहत एवं बचाव कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को नियमानुसार मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही आसपास के गांवों में वन विभाग की गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से इलाके में निगरानी बढ़ाने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है। विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार बढ़ रही मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं प्रशासन और वन विभाग के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं, जिसके लिए ठोस रणनीति की आवश्यकता है।

सम्पादकीय

वन्यजीवों से बढ़ता संघर्ष और अधूरा समाधान

उत्तराखंड की वादियों में कभी जंगल और जीवन के बीच संतुलन की एक सहज लय थी। लेकिन आज वही संतुलन टूटता हुआ दिखाई दे रहा है। पहाड़ के गांवों में बाघ व तेंदुए के लगातार हो रहे हमले और मासूम लोगों की असमय मौतें,अब केवल खबर नहीं, बल्कि भयावह वास्तविकता बन चुके हैं। सवाल यह है कि आखिर मानव व वन्य जीवों का यह संघर्ष कब थमेगा, और इसका समाधान क्या है वन्यजीवों का आबादी की ओर बढ़ना कोई अचानक घटी घटना नहीं है। यह वर्षों से चल रहे पर्यावरणीय असंतुलन का परिणाम है। जंगलों का लगातार सिकुड़ना, सड़कों और निर्माण कार्यों से वन क्षेत्रों का बिखराव, और जंगली शिकार की कमी ने इन शिकारी जीवों को गांवों की ओर धकेल दिया है। दूसरी ओर, गांव भी धीरे-धीरे जंगल की सीमा तक फैलते चले गए हैं। परिणामस्वरूप, दोनों के बीच की दूरी अब लगभग समाप्त हो चुकी है। ऐसे में अक्सर यह मांग उठती है कि जंगल से सटे गांवों को मोटी तारबाड़ से घेर दिया जाए, ताकि जानवर भीतर न आ सकें। यह सुझाव पहली नजर में सरल और प्रभावी प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक जटिल है। पहाड़ी भूगोल में हर गांव को चारों ओर से तारबाड़ से घेरना न केवल अत्यंत महंगा है, बल्कि तकनीकी रूप से भी कठिन है। इसके अलावा, बाघ और तेंदुए जैसे फुर्तीले जीव ऐसी बाधाओं को पार करने में सक्षम होते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस प्रकार की बाधाएं वन्यजीवों के प्राकृतिक मार्गों को अवरुद्ध कर देती हैं, जिससे उनका व्यवहार और अधिक आक्रामक हो सकता है। स्पष्ट है कि समस्या का समाधान किसी एक उपाय में नहीं, बल्कि बहु-स्तरीय रणनीति में निहित है। चयनित और संवेदनशील क्षेत्रों में सोलर फेंसिंग का प्रयोग, गांवों में अर्ली वार्निंग सिस्टम की स्थापना, और मवेशियों के लिए सुरक्षित बाघों का निर्माण तत्काल प्रभावी कदम हो सकते हैं। साथ ही, वन विभाग को अपनी त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली को और सशक्त बनाना होगा, ताकि किसी भी घटना पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। लेकिन इन सब उपायों के साथ एक और महत्वपूर्ण पहलू है स्थानीय समुदाय की भागीदारी और जागरूकता। जब तक ग्रामीणों को यह समझ नहीं होगी कि उनके व्यवहार, जैसे खुले में कचरा फेंकना या मवेशियों को असुरक्षित छोड़ना, भी इस संघर्ष को बढ़ावा देता है, तब तक समाधान अधूरा रहेगा। उत्तराखंड जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी वाले राज्य में विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाना ही सबसे बड़ी चुनौती है। यह केवल वन विभाग या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग की साझी जिम्मेदारी है। आज जरूरत है एक ऐसी समग्र नीति की, जो इंसान और वन्यजीव दोनों के अस्तित्व को समान महत्व दे। क्योंकि अगर यह संघर्ष यूं ही बढ़ता रहा, तो नुकसान केवल जान-माल का ही नहीं, बल्कि उस प्राकृतिक विरासत का भी होगा, जिस पर उत्तराखंड की पहचान टिकी है।

स्कूलों में तकनीकी ज्ञान अनिवार्य : एसडीएम

चाइल्ड सैक्रेड में एनएसडीसी के सोलर पीवी सेंटर का शुभारंभ, 300 लोगों को रोजगार देने का दावा

लालकुआं । भारत सरकार की कौशल विकास योजना के तहत राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) द्वारा संचालित सोलर पीवी इंस्टॉलेशन सेंटर का गत दिवस बिंदुखत्ता स्थित चाइल्ड सैक्रेड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विधिवत शुभारंभ हुआ। उप जिलाधिकारी रेखा कोहली ने फीता काटकर इस केंद्र का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी रेखा कोहली ने कहा कि वर्तमान समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का दौर है। ऐसे में बच्चों को केवल किताबी ज्ञान देकर काम नहीं चलेगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि तकनीकी ज्ञान के अभाव में युवा पीढ़ी प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाएगी। इसलिए पठन-पाठन के साथ-साथ व्यावहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए।

एसडीएम कोहली ने कहा कि इस केंद्र का लाभ केवल विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि क्षेत्र के आम लोग भी उठा सकते हैं। उन्होंने बताया कि सेवा योजना कार्यालय में रजिस्टर व्यक्ति भी इस प्रशिक्षण में भाग ले सकता है। यहां से मिलने वाला प्रमाणपत्र उनके रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में सहायक होगा।

योजना के संचालक अंकित सिंह यादव (कानपुर) ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण 300 अभ्यर्थी का होगा 30 अभ्यर्थी का बैच एक सप्ताह का होगा। प्रत्येक प्रतिभागी को अंतिम परीक्षा पास करना अनिवार्य होगा। सरकार की ओर से प्रमाणपत्र के साथ-साथ स्कॉलरशिप भी प्रदान की जा रही है।

उन्होंने बताया कि इस ट्रेनिंग में भाग लेने के लिए अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 16 वर्ष और अधिकतम आयु 45 वर्ष निर्धारित की गई है। इसमें महिलाएं और पुरुष दोनों ही बिना किसी भेदभाव के भाग ले सकते हैं।

यादव ने दावा किया कि प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले अभ्यार्थियों के लिए रोजगार के सुनहरे अवसर खुलेंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के बाद 300 अभ्यर्थियों को रोजगार देने की पुख्ता व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने इसे युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर बताते हुए अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने का आह्वान किया।

यह प्रशिक्षण केंद्र विशेष रूप से ग्रीन रिन्यूएबल एनर्जी और ग्रीन जॉब्स पर केंद्रित है। प्रशिक्षण के दौरान सौर ऊर्जा (सोलर पीवी) इंस्टॉलेशन की बारीकियां सिखाई जाएंगी, जिससे प्रशिक्षित युवा सौर ऊर्जा के क्षेत्र में स्वरोजगार एवं नौकरी के अवसर प्राप्त कर सकेंगे। पर्यावरण संरक्षण एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उद्घाटन समारोह के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. प्रीति सिंह एवं प्रबंधन निदेशक सुनीता पांडे ने उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस तरह के कौशल विकास केंद्र को स्कूल परिसर में स्थापित किए जाने पर खुशी जताई और कहा कि इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं युवाओं को बड़ा लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर संचालक मंडल के योगेंद्र यादव एवं अंकित यादव ने सोलर पीवी इंस्टॉलेशन की तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में स्कूल स्टाफ, ग्रामीण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से दो बहनों की मौत, पांच घायल

सितारगंज। किच्छा हाईवे पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां एक तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में दो सगी बहनों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार नयागांव निवासी हिना (22 वर्षीय) पुत्री रईस अहमद और उसकी बड़ी बहन निशा (25 वर्षीय) अपनी ममेरी बहन रुबी के साथ शादी की खरीदारी कर ई-रिक्शा से घर लौट रही थीं। जैसे ही ई-रिक्शा नयागांव के पास हाईवे किनारे रुका, तभी पीछे से तेज गति में आ रही कार ने ओवरटेक के दौरान जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भिजवाया। डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए तीनों बहनों को हायर सेंटर रेफर किया, जहां उपचार के दौरान हिना और निशा की मौत हो गई, जबकि रुबी का इलाज जारी है।घटना के बाद परिजनों में शोक की लहर है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

संपूर्ण मानव समाज के लिए आदर्श हैं प्रभु श्री राम : शांतनु जी

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। फुलसूंगा क्षेत्र में आयोजित भगवान श्रीराम की पावन कथा का भव्य एवं दिव्य आयोजन पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना रहा। इस पावन अवसर पर दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण कर स्वयं को धन्य महसूस किया। कार्यक्रम स्थल पूरी तरह से भक्ति, श्रद्धा एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत नजर आया, जहां हर ओर जय श्रीराम के जयघोष गूंजते रहे।इस दिव्य आयोजन में परम पूज्य श्री शांतनु जी महाराज के श्रीमुख से श्रीराम कथा श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। महाराज जी ने अपने मधुर, ओजस्वी एवं प्रभावशाली प्रवचनों के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा एवं धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्रीराम केवल एक आराध्य नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज के लिए आदर्श हैं, जिनके जीवन मूल्यों को अपनाकर व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बना सकता है।इस अवसर पर भाजपा नेता प्रमोद मित्तल ने भी पूज्य महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की।

इस दौरान भाजपा नेता प्रमोद मित्तल ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों से सनातन संस्कृति को सशक्त आधार मिलता है और समाज में नैतिक मूल्यों का विकास होता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में ऐसे आयोजनों की विशेष आवश्यकता है, जिससे नई पीढ़ी अपने धर्म, परंपराओं एवं संस्कारों से जुड़ सके और समाज में सकारात्मक सोच का विकास हो।

उन्होंने आगे कहा कि श्रीराम कथा जैसे आयोजनों से समाज में एकता, भाईचारा एवं सद्भाव की भावना मजबूत होती है और लोगों को जीवन में सही दिशा प्राप्त होती है। इस प्रकार के आयोजन न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करते हैं, बल्कि सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देते हैं।कथा के दौरान श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर प्रभु श्रीराम के जीवन प्रसंगों का रसास्वादन करते नजर आए। कई अवसरों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर भजन-कीर्तन में झूमते दिखाई दिए। पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और ऐसा प्रतीत हुआ मानो पूरा क्षेत्र एक पावन धाम में परिवर्तित हो गया हो।

इस भव्य एवं सफल आयोजन के लिए पूर्वांचल सेवा समिति एवं समस्त आयोजन समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। उन्होंने अत्यंत सुव्यवस्थित एवं उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के माध्यम से कार्यक्रम को सफल बनाया। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया, जिसकी सभी ने सराहना की।कार्यक्रम में भाजपा नेता प्रमोद मित्तल, किच्छा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, संस्कार भारती रुद्रपुर के संरक्षक कुशल अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रमोद यादव, निखिल चंडोक, धीरेंद्र मिश्रा, रोहित भट्ट, चंदन भट्ट, अरुणेश कुमार सिंह, नीरज कुमार सिंह, संतोष सिंह, अंशुल टंडन सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं गणमान्य व्यक्तियों ने कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

आवश्यकता है

हल्द्वानी शहर में तेज तर्रार रिपोर्टर चाहिए, वेतन योग्यतानुसार, इसके साथ ही नैनीताल, खटीमा, सितारगंज, किच्छा, बाजपुर, रामनगर, काशीपुर, देहरादून, हरिद्वार व ऋशिकेष आदि स्थानों पर संवाददाताओं व मार्केटिंग के लिए अनुभवी युवक-युवतियों की शीघ्र आवश्यकता है शीघ्र सम्पर्क करें अथवा अपना बायोडाटा मेल करें।

E-mail. editordaillyparvatprerna@gmail.com

मोबा. 9927213408, 8279487735

आपका सुझाव - हमारी दिशा

प्रिय स्नेही जन

इस कॉलम के माध्यम से आप हमें यह बता सकते हैं कि 'पर्वत प्रेरणा' में आप क्या देखना चाहते हैं। कौन से मुद्दे उठाए जाएं क्या बेहतर हो, हम आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे और आपके नाम के साथ उन्हें प्रकाशित करेंगे।

हमें लिखें,भेजें ।

editordaillyparvatprerna@gmail.com

WhatsApp:9927213408

सम्पादक: सुरेश पाठक

सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एवं स्वामी **सुरेश पाठक** द्वारा भीड़ापानी ओखलकांडा प्रिंटिंग प्रेस भोलानाथ गार्डन हल्द्वानी से मुद्रित तथा साईं कालोनी नियर साईं मन्दिर, बजूनिया हल्दू, पो. कठघरिया, हल्द्वानी नैनीताल, उत्तराखण्ड से प्रकाशित। मो. 9927213408, 8279487735

E-mail. editordaillyparvatprerna@gmail.com

आध्यात्मिक ऊर्जा का नया केंद्र बनेगा शिव कॉरिडोर : विकास

कॉरिडोर को धरातल पर उतारने की कवायद हुई तेज, महापौर ने अधिकारियों संग किया स्थलीय निरीक्षण

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर । गंगापुर रोड पर 'मानस खण्ड कॉरिडोर' के अंतर्गत प्रस्तावित भव्य 'शिव कॉरिडोर' को धरातल पर उतारने की कवायद तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा में शामिल इस महत्वाकांक्षी परियोजना को गति देने के लिए महापौर विकास शर्मा ने संबंधित विभागों की टीम के साथ प्रस्तावित स्थल का व्यापक निरीक्षण और सर्वे किया। इस दौरान उन्होंने पर्यटन विभाग, कुमाऊं मण्डल विकास निगम , परिवहन और नगर निगम के अधिकारियों को प्रोजेक्ट का ड्राफ्ट जल्द तैयार करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बता दें कि महापौर विकास शर्मा के विशेष आग्रह पर मुख्यमंत्री धामी ने गंगापुर रोड स्थित गोल्ज्यू मंदिर, प्राचीन शिव मंदिर और नीलकंठ धाम को जोड़ते हुए एक भव्य शिव कॉरिडोर बनाने का ऐलान किया था। सोमवार को जिला योजना की बैठक में प्रभारी मंत्री प्रदीप बत्रा ने भी इस प्रोजेक्ट पर

गंभीरता दिखाते हुए तत्काल काम शुरू करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद महापौर ने अधिकारियों के साथ नगर निगम में बैठक की और फिर मौके पर जाकर सर्वे कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मीडिया से मुखातिब होते हुए महापौर विकास शर्मा ने इस परियोजना को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताते हुए कहा शिव कॉरिडोर केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि रुद्रपुर की नई पहचान और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र बनेगा। यह मेरा संकल्प है कि रुद्रपुर को एक ऐसा स्थल मिले जहां आकर लोग न केवल शांति का अनुभव करें, बल्कि हमारी समृद्ध सनातन संस्कृति से भी जुड़ सकें। यह कॉरिडोर प्राचीन शिव मंदिर, गोल्ज्यू मंदिर और नीलकंठ धाम को एक सूत्र में पिरोकर सर्वसमाज की आस्था का संगम बनेगा।

यहां बंगाली, कुमाऊंनी और समस्त समाज की संस्कृतियों को जीवंत रूप में प्रदर्शित किया जाएगा।परियोजना के विस्तार पर चर्चा करते हुए महापौर ने बताया कि इस कॉरिडोर को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में भी विकसित किया जाएगा, ताकि लोग पवित्र वातावरण में मांगलिक कार्य संपन्न कर सकें। इसके साथ ही, पर्यटकों को ग्रामीण परिवेश का अनुभव देने के लिए यहाँ मड हाउस (मिट्टी के घर) तैयार किए जाएंगे और बाहरी श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए आधुनिक विश्राम गृह बनाए जाएंगे। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि नई पीढ़ी को अपने संस्कारों से जोड़ने के लिए यहाँ संस्कृति की पाठशाला भी शुरू की जाएगी, जहाँ सनातन मूल्यों का ज्ञान दिया जाएगा।

महापौर ने कहा कि शिव कॉरिडोर रूद्रपुर की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करेगा। यह परियोजना शहर की अर्थव्यवस्था को भी गति देगी, रोजगार के नए अवसर सृजित करेगी और पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त करते हुए कहा मुख्यमंत्री के नेतृत्व और आशीर्वाद से रूद्रपुर आज विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। हम जल्द ही इस परियोजना का विस्तृत ड्राफ्ट तैयार कर लेंगे, जिसके पश्चात मुख्यमंत्री स्वयं रूद्रपुर आकर इसका शिलान्यास करेंगे।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पाण्डे, पार्षद प्रतिनिधि मानवेन्द्र सहित पर्यटन विभाग, कुमाऊं मंडल विकास निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राहत कोष के बाद अब विधायक निधि सवालों के घेरे में

चंपावत। विधानसभा चंपावत में मुख्यमंत्री राहत कोष के बाद अब विधायक निधि भी सवालों के घेरे में हैं। विधायक निधि से पुराने निर्माण कार्यों को ही लीपापोती करते हुए भुगतान का आरोप लग रहे हैं। जिससे चंपावत में एक बार फिर से राजनीति सरगर्मियां तेज हो गई हैं। लगातार एक से एक भ्रष्टाचार के आरोप चंपावत जैसे छोटे से जिले में देखने को मिल रहे हैं। 55 विधानसभा चंपावत में हाल ही विभिन्न ग्राम पंचायतों में विधायक निधि से विकास कार्य किए गए। लेकिन अधिकांश स्थानों पर हुए इन विकास कार्यों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। एक तरफ विधायक निधि पर बंदरबांट का आरोप तो दूसरी तरफ पुराने निर्माण कार्यों को ही नए निर्माण कार्य दिखाते हुए भुगतान कराने का आरोप है। एक माह पूर्व ही चंपावत जिले में मुख्यमंत्री राहत कोष में बड़ी गड़बड़ी से सियासत गरमाई हुई थी लेकिन अब विधायक निधि को लेकर सोशल मीडिया पर भूचाल आ गया है। राजनीति सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर लोग तरह तरह कि पोस्ट शेयर करते हुए भ्रष्टाचार का खुलासा कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पहले विधायक निधि पर बंदरबांट का आरोप फिर पुराने निर्माण कार्यों पर लीपापोती कर भुगतान का आरोप लग रहे हैं।

तीन नए बहुमंजिले पार्किंग स्थलों का संचालन शुरू

ट्रैफिक जाम से मिलेगी निजात

पिथौरागढ़। नगर में पार्किंग व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में जिलाधिकारी आशीष भटगांई और नगर निगम की महापौर कल्पना देवलाल ने बजेटी, कृष्णापुरी एवं जाखनी क्षेत्र स्थित बहुमंजिले पार्किंग स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान डीएम ने व्यवस्थाओं का गहन मूल्यांकन करते हुए विकास प्राधिकरण पिथौरागढ़ को सख्त निर्देश दिए थे कि पार्किंग स्थलों को शीघ्र जनता के लिए उपलब्ध कराया जाए। डीएम ने पार्किंग स्थलों में सीसीटीवी कैमरे और ऑटोमेटेड एंट्री सिस्टम स्थापित करने के निर्देश दिए थे।

इसी क्रम में जिला विकास प्राधिकरण पिथौरागड़ द्वारा बजेटी, कृष्णापुरी एवं जाखनी के तीनों पार्किंग स्थलों का संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। अपर जिलाधिकारी/ सचिव विकास प्राधिकारण योगेंद्र सिंह ने पार्किंग स्थलों का उद्घाटन कर इन्हें जनसामान्य के लिए समर्पित किया। उन्होंने बताया कि जब

तक इन पार्किंगों के संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया पूर्ण नहीं होती तब तक जिला विकास प्राधिकरण पार्किंगों का संचालन करेगा। तब तक पूर्व निर्धारित पार्किंग शुल्क ही जारी रहेगा। मल्टी लेवल पार्किंग में 308 वाहन पार्क हो सकेंगे।

आरडब्लूडी के अधिशासी अभियंता पंकज कुमार ने बताया कि कृष्णापुरी में 118 चौपहिया और 100 दोपहिया वाहन पार्क हो सकेंगे। बजेटी में 40 और जाखनी में 50 चौपहिया वाहन पार्क हो सकेंगे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पार्किंग स्थलों पर साफ-सफाई, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन एवं आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम पार्किंग सुविधा प्राप्त हो सके। उन्होंने संबंधित विभागों को यह भी निर्देशित किया कि पार्किंग स्थलों के संचालन की नियमित निगरानी की जाए तथा किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर उसका त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इन नए पार्किंग स्थलों का संचालन शुरू होने से लोगों को अपने वाहन सड़कों के किनारे खड़े नहीं करने पड़ेंगे। जिससे शहर की सड़कों में ट्रैफिक जाम नहीं लगेगा।

हाई कोर्ट ने दिया रामगंगा सरयू नदी के तट पर अवैध खनन रोकने का आदेश

पिथौरागढ़। पहाड़ों की गोद में बहने वाली रामगंगा और सरयू नदियों के संगम पर सालों से चल रहे अवैध खनन के खिलाफ उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। पिथौरागढ़ जिले के राड़ी खूंटी गांव के निवासी रोहित मेहरा द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की खंडपीठ ने 27 अप्रैल 2026 को यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया। अधिवक्ता मृदुल भट्ट, राज्यवर्धन चौधरी एवं प्रणव पाल के माध्यम से न्यायालय को अवगत कराया गया कि रामगंगा- सरयू नदी के संगम पर खनन पट्टाधारकों एवं अवैध खनिकों द्वारा पोकलेन, जेसीबी जैसी भारी मशीनों से अवैध खनन किया जा रहा है। यह खनन उत्तराखंड लघु खनिज (रियायत) नियमावली 2001 के नियम 29(17), जो वर्ष 2017 और 2025 में संशोधित की गई है, का खुला उल्लंघन है। राज्य सरकार की ओर से मुख्य स्थायी अधिवक्ता पी.एस. बिष्ट ने न्यायालय को बताया कि खनन पट्टाधारकों को भारी मशीनों के उपयोग की अनुमति नहीं है। ड्रेजिंग के मामले में ही, वह भी कुछ शर्तों के साथ, ऐसी मशीनों का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने न्यायालय को आश्वस्त किया कि दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार के इस आश्वासन को संज्ञान में लेते हुए खंडपीठ ने जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए जिला अधिकारी, पिथौरागढ़ को निम्नलिखित निर्देश दिए- तत्काल प्रभाव से सभी खनन पट्टाधारकों द्वारा पोकलेन, जेसीबी सहित किसी भी भारी मशीन के उपयोग पर रोक लगाई जाए। जिला अधिकारी स्वयं अथवा तहसीलदार या उससे ऊपर के अधिकारी के माध्यम से सभी खनन पट्टों का आकस्मिक निरीक्षण नियमित अंतराल पर कराएं। नियमों और न्यायालय के पूर्व आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। यह फैसला उन तमाम ग्रामीणों के लिए राहत की सांस लेकर आया है, जो वर्षों से नदियों के किनारे हो रही मशीनी लूट के खिलाफ आवाज उठाते रहे हैं।

ओवरलोड डंपरों से अवैध वसूली के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने जनपद उधमसिंह नगर में चल रहे अवैध खनन और ओवरलोडेड डंपरों के संचालन में हो रही अवैध वसूली को लेकर मोर्चा खोला है। एसएसपी ओर एसपी सिटी को सौंपे एक विस्तृत ज्ञापन में ठुकराल ने आरोप लगाया कि जनपद में सत्ताधारी नेताओं के संरक्षण में डंपर चालकों से खुलेआम उगाही की जा रही है, जिससे खाकी की छवि धूमिल हो रही है। पूर्व विधायक ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि जाफरपुर निवासी डंपर स्वामी रामसिंह ने गत 16 अप्रैल को रुद्रपुर कोतवाली में एक लिखित तहरीर दी थी।

आरोप है कि विकास सागर नामक व्यक्ति, जिसे कथित तौर पर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, पुलिस के नाम पर डंपर चालकों से अवैध धन की वसूली कर

रहा है। ठुकराल ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि तहरीर और पर्याप्त साक्ष्य होने के बावजूद दो सप्ताह बीत जाने पर भी पुलिस ने कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा कि पुलिस की यह चुप्पी विभाग की संदिग्ध कार्यप्रणाली और राजनीतिक दबाव में पुलिसीया तंत्र के फेल होने का प्रमाण है। ज्ञापन में पूर्व विधायक ने कुंडा थाना क्षेत्र के सुखवन्त सिंह आत्महत्या प्रकरण का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों द्वारा सहयोग न मिलने के कारण पूर्व में एक अप्रिय घटना घटित हो चुकी है, क्या प्रशासन दोबारा उसी स्थिति का इंतजार कर रहा हैड़ ठुकराल ने सवाल उठाया कि क्या उधमसिंह नगर पुलिस की नजरों में अवैध डंपरों और आम नागरिकों की जान का कोई मूल्य नहीं हैड़ उन्होंने ज्ञापन में मांग की कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए, अवैध खनन और ओवरलोडिंग में लिप्त वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जाए तथा अवैध वसूली में शामिल पुलिस कर्मियों और अन्य व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि व्यापक जनहित में इस भ्रष्टाचार पर लगाम नहीं लगाई गई और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे इस व्यवस्था के विरुद्ध धरने पर बैठने को बाध्य होंगे।

3.17 ग्राम अवैध स्मैक के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

बागेश्वर। ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र मेहरा द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही कर महत्वपूर्ण बरामदगी के निर्देश दिए गए है।वही पुलिस और एसओजी की टीम लगातार युवाओं को नशे के दलदल में धकेलकर उनका भविष्य बर्बाद करने और समाज मे अराजकता का माहौल पैदा करने वालों पर शिकंजा कसने हेतु लगातार सघन चेकिंग अभियान चला रही है। एसओजी प्रभारी इंस्पेक्टर सलाउद्दीन अपनी टीम के साथ लगातार ऐसे संदिग्ध नशा तश्करो पर पैनी नजर बनाए हुए हैं।वही एसओजी टीम को सघन चैकिंग के दौरान एक स्मैक तश्करी करने वाले अभियुक्त को पकड़ने में सफलता मिली है। टीम को नगर क्षेत्र में अनिल कुमार पुत्र जगदीश राम निवासी घटबगड़ वार्ड बागनाथ कोतवाली बागेश्वर जो किपूर्व में भी अवैध रूप से नशा तश्करी करने में पकड़ा गया था,टीम द्वारा पहले ही ऐसे तश्करो पर पैनी नजर रखी जा रही थी, वही चेकिंग में पकड़ा गया युवक संदिग्ध प्रतीत हुआ।जिस पर एसओजी टीम ने सघनता से जांच करते हुए अभियुक्त के कब्जे से 3.17 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की।जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। बीएनएस की धारा 08/21 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय पेश किया गया हैं।

चौंदकोट में जंगली जानवरों का दोहरा आतंक

कविंद्र इस्टवाल ने उठाई सुरक्षा व मुआवजे की मांग

सोलर लाइट, घेराबंदी और गश्त बढ़ाने को लेकर प्रशासन को सौंपा गया प्रार्थना पत्र।

पौड़ी गढ़वाल, अंकित उनियाल। विकास खंड एकेश्वर के अंतर्गत चौंदकोट क्षेत्र में जंगली जानवरों का बढ़ता आतंक अब गंभीर रूप ले चुका है। कांग्रेस नेता व चौंदकोट वेलफेयर सोसाइटी के महासचिव कविंद्र इस्टवाल ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की मांग की है।कविंद्र इस्टवाल ने बताया कि बीते कुछ वर्ष से लेकर वर्तमान समय तक क्षेत्र में गुलदार, बाघ और भालू की सक्रियता लगातार बढ़ रही है। ये हिंसक जानवर अब गांवों और आबादी वाले क्षेत्रों तक पहुंच रहे हैं, जिससे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का घर से बाहर निकलना खतरे से खाली नहीं है। साथ ही पालतू पशुओं पर हमले बढ़ने से पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि दूसरी ओर जंगली सुअर, बंदर, लंगूर और सेही किसानों की फसलों को पूरी तरह बर्बाद कर रहे हैं। किसानों की मेहनत से तैयार फसल कटाई से पहले ही नष्ट हो रही है, जिससे उनकी आजीविका पर गहरा संकट छा गया है।कविंद्र इस्टवाल ने कहा कि जंगली जानवरों के इस दोहरे आतंक के चलते ग्रामीण खेतीबाड़ी छोड़ने और पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं, जो क्षेत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है।प्रार्थना पत्र में मांग की गई है कि आबादी वाले क्षेत्रों में वन विभाग की गश्त बढ़ाई जाए, हिंसक जानवरों की जियो टैगिंग की जाए और गुलदार व भालू को पकड़ने के लिए

संवेदनशील स्थानों पर पिंजरे लगाए जाएं। इसके अलावा सोलर लाइट लगाने, खेतों की घेराबंदी (सोलर फेंसिंग) हेतु अनुदान देने और फसलों व पशुओं के नुकसान का शीघ्र मुआवजा प्रदान करने की भी मांग रखी गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द ठोस कार्रवाई की उम्मीद जताई है, ताकि क्षेत्र में भय का माहौल खत्म हो सके और लोगों को राहत मिल सके।

समीक्षा बैठक में बीईओ ने दिए गुणवत्ता सुधार के निर्देश

अल्मोड़ा। विकासखंड स्याल्दे के बीआरसी सभागार में खंड शिक्षा अधिकारी वंदना रौतेला की अध्यक्षता में राजकीय और अशासकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में नए शैक्षिक सत्र की तैयारियों, बोर्ड परीक्षा परिणामों, छात्रहित योजनाओं और विद्यालयी व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में बीईओ ने विद्यालयवार हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा करते हुए बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को बधाई दी, जबकि कमजोर परिणाम वाले विद्यालयों को सुधार के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की भी सराहना की गई। गर्मी के मौसम को देखते हुए विद्यालयों में पेयजल, पंखे और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा हीट वेव से बचाव के निर्देश दिए गए। वनाग्नि की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए विद्यालय परिसरों की साफ-सफाई बनाए रखने और जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। बीईओ ने 7 मई को कृमिमुक्ति दिवस के सफल आयोजन, दवा वितरण और अभिलेखों के संधारण के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों का समयबद्ध पंजीकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने मिशन कोशिश और मिशन कर्मयोगी के तहत शैक्षिक गुणवत्ता सुधार, शिक्षकों की कार्यकुशलता बढ़ाने और नवाचार आधारित शिक्षण को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। साथ ही पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता, वितरण और विषयवार रिक्त पदों की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में पीएम पोषण योजना के तहत पारदर्शिता, ऑनलाइन प्रविष्टियों और छात्र उपस्थिति को अद्यतन रखने पर जोर दिया गया। विज्ञान शिक्षण में प्रयोगशालाओं के उपयोग और पुस्तकालयों के माध्यम से पठन संस्कृति विकसित करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा विद्यालयों के अभिलेख अद्यतन रखने, सेवा पुस्तिकाओं और अध्यापक डायरी के संधारण तथा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा गया।

सेवानिवृत्त कार्मिकों के लंबित देयकों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश भी दिए गए। बीईओ ने कहा कि विद्यालय समाज निर्माण के केंद्र हैं और सभी प्रधानाचार्य जिम्मेदारी व समर्पण के साथ कार्य करें, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में विकासखंड नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर सके।

खदरी खड़कमाफ में बोर्ड के छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

ऋषिकेश ,नवीन नेगी। स्वर्गीय राजेश व्यास स्मृति मंच की ओर से उत्तराखंड बोर्ड के हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 22 छात्र-छात्राओं को खदरी खड़कमाफ स्थित चोपड़ा फार्म में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान संगीता थपलियाल ने की।इस अवसर पर डोईवाला की कनिष्ठ प्रमुख बीना चौहान ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों ने कड़ी मेहनत और लगन के बल पर यह सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वर्गीय

राजेश व्यास स्मृति मंच द्वारा मेधावी छात्रों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया है। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी विनोद चौहान ने किया। इस मौके पर रुकमा व्यास (क्षेत्र पंचायत सदस्य, गुमानीवाला), माधुरी देवी (क्षेत्र पंचायत सदस्य, खैरीखुर्द), भुवनेश्वरी भट्ट (ग्राम पंचायत सदस्य, खदरी खड़कमाफ), महावीर प्रसाद उपाध्याय (प्रबंधक, नालंदा शिक्षण संस्थान), रयाल (प्रबंधक, विवेका अकैडमी), पूर्व ग्राम प्रधान भट्टोवाला सतीश रावत, विनोद पोखरियाल, संदीप कुड़ियाल, हीरा सिलस्वाल, कैलाश बिंजोला, लक्ष्मण राणा, विनोद भट्ट, अनूप रावत एवं गोविंद बोरा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

9 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

उत्तरकाशी। राष्ट्रीय स्तर पर त्वरित एवं सुलहपूर्ण न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जनपद उत्तरकाशी में आगामी 9 मई 2026 (द्वितीय शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/सिविल जज (सीनियर डिवीजन) सचिन कुमार ने बताया कि लोक अदालत का आयोजन प्रात: 10 बजे से जनपद मुख्यालय स्थित न्यायालयों के साथ-साथ सिविल जज (सीनियर डिवीजन) न्यायालय पुरोला एवं बड़कोट में भी किया जाएगा। लोक अदालत के माध्यम से न्यायालयों में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन स्तर के मामलों का आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण किया जाएगा। इनमें प्रमुख रूप से समझौतायोग्य आपराधिक वाद, धारा 138 एनआई एक्ट से संबंधित प्रकरण, वैवाहिक विवाद, श्रम मामले, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, बैंक ऋण संबंधी विवाद, विद्युत एवं जल बिल से जुड़े मामले (असमझौतायोग्य मामलों को छोड़कर), अन्य दीवानी वाद, सेवा संबंधी प्रकरण, राजस्व वाद तथा भूमि अधिग्रहण के मामले शामिल हैं। इसके अतिरिक्त प्री-लिटिगेशन स्तर पर चेक बाउंस, बैंक वसूली, श्रम एवं वेतन विवाद, बिजली-पानी के बिल तथा भरण-पोषण से जुड़े मामलों का भी निस्तारण लोक अदालत में किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आमजन से अपील की है कि जो भी व्यक्ति अपने मामलों का त्वरित एवं सरल समाधान चाहते हैं। वे 8 मई 2026 तक संबंधित न्यायालय अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करें, ताकि उनके मामलों को 9 मई को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में शामिल किया जा सके।

पत्रकारों से अभद्रता के मामले में विधायक ने की सख्त कार्रवाई की मांग

अल्मोड़ा। नगर के एक निजी नर्सिंग कॉलेज से जुड़े कथित अभद्रता प्रकरण को लेकर मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस संबंध में विधायक मनोज तिवारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए प्रशासन से तत्काल और सख्त कार्रवाई की मांग की है। विधायक ने घटना को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला बताते हुए इसे गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज के विभिन्न वर्गों की आवाज को शासन-प्रशासन तक पहुंचाते हैं, ऐसे में उनके साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता निंदनीय है और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटना से संबंधित संस्थान की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठते हैं। विधायक ने आरोप लगाया कि उक्त नर्सिंग संस्थान से पूर्व में भी विवाद सामने आते रहे हैं, इसलिए पूरे संस्थान की गतिविधियों और व्यवस्था की गहन जांच कराई जानी चाहिए। विधायक ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि इस मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते ऐसे मामलों पर सख्ती नहीं बरती गई तो इससे गलत प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिलेगा। घटना के बाद पत्रकार संगठनों में भी रोष देखा जा रहा है। विधायक ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है, क्योंकि उनके माध्यम से ही समाज में तथ्य सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा संस्थानों में अनुशासन, सम्मान और नैतिकता का वातावरण होना चाहिए और इस तरह की घटनाएं चिंताजनक हैं।

टेलीकॉम जागरूकता कार्यक्रम में उपभोक्ता अधिकारों और साइबर सुरक्षा पर जोर

अल्मोड़ा। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल और सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में टेलीकॉम आउटरीच एवं उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दूरसंचार सेवाओं, उपभोक्ता अधिकारों और साइबर सुरक्षा को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो प्रवीण सिंह बिष्ट ने की, जबकि शोध निदेशक एवं पूर्व कुलपति प्रो जगत सिंह बिष्ट, आईक्यूएसी निदेशक प्रो सुशील कुमार जोशी, डीन अकादमिक प्रो अनिल कुमार यादव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो शेखर चन्द्र जोशी सहित कई विशेषज्ञ मौजूद रहे। ट्राई के सलाहकार संजय कुमार गुप्ता, संयुक्त सलाहकार पी.एस. कौशल और वरिष्ठ शोध अधिकारी मयूर तरंग तोपनो ने दूरसंचार क्षेत्र से जुड़ी जानकारियां साझा कीं। कार्यक्रम संयोजक डॉ. पारुल सक्सेना ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विद्यार्थियों और उपभोक्ताओं को टेलीकॉम सेवाओं के प्रति जागरूक करना इसका मुख्य उद्देश्य है। विशेषज्ञों ने मोबाइल नेटवर्क, टैरिफ, डीएनडी सेवा, उपभोक्ता शिकायत निवारण, नेटवर्क कवरेज गैप और प्रसारण सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर जानकारी दी। वक्ताओं ने साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को लेकर सतर्क रहने की अपील करते हुए उपभोक्ता सशक्तिकरण पर जोर दिया। जिला पुलिस के साइबर सेल के अधिकारियों ने भी साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों और विभिन्न नेटवर्क प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही, जहां संवाद के माध्यम से दूरसंचार सेवाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बिजली के तारों पर झुका विशाल पॉपुलर का पेड़

अल्मोड़ा । तेज हवाओं के कारण लोअर माल रोड स्थित पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास एक विशाल पॉपुलर का पेड़ बिजली के तारों पर झुक गया। पेड़ का बड़ा हिस्सा तारों पर टिकने से उसके गिरने का खतरा पैदा हो गया था, जिससे सड़क से गुजर रहे लोगों और वाहनों के लिए जोखिम बढ़ गया। इस घटना के बाद लोअर माल रोड पर कुछ समय के लिए आवाजाही प्रभावित हुई। पेड़ की अस्थिर स्थिति को देखते हुए लोग और वाहन चालक सावधानीपूर्वक मार्ग से गुजर रहे थे। सूचना मिलने पर फायर सर्विस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। टीम ने पाया कि पेड़ पूरी तरह से बिजली के तारों पर लटका हुआ था और उसे सीधे हटाने से जोखिम बढ़ सकता था।इसके बाद, रेस्क्यू टीम ने कटर की सहायता से पेड़ को छोटे-छोटे हिस्सों में काटना शुरू किया। इस प्रक्रिया में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया, ताकि बिजली लाइनों या आसपास किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ।कई घंटों के प्रयास के बाद, पेड़ को पूरी तरह से हटा दिया गया और सड़क को सुरक्षित कर आवागमन शुरू कर दिया।

नागचूलाखाल सड़क हादसे की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश

अल्मोड़ा। तहसील स्याल्दे क्षेत्र में नागचूलाखाल मोटर मार्ग पर ग्राम चिंतौली के पास हुए सड़क हादसे के मामले में जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। यह हादसा बीती 29 मार्च को हुआ था, जिसमें ट्रैक्टर-ट्रॉली दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र ने बताया कि वाहन संख्या यूके01सी0215 में चालक समेत पांच लोग सवार थे। दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जिलाधिकारी ने घटना के कारणों की निष्पक्ष और विस्तृत जांच के लिए उप जिलाधिकारी भिकियासैंण को जांच अधिकारी नामित किया है। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि दुर्घटना के सभी पहलुओं की गहन जांच कर एक सप्ताह के भीतर स्पष्ट जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। प्रकरण में आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

ड्रेनेज कार्यों में गुणवत्ता से समझौता न करने की सख्त हिदायत

अल्मोड़ा। नगर क्षेत्र में ड्रेनेज सिस्टम के अंतर्गत बन रहे नालों की प्रगति को लेकर जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में बताया गया कि नगर में कुल 39 नालों का निर्माण कार्य चल रहा है, जिनमें से कई पूरे हो चुके हैं, जबकि शेष पर काम जारी है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष नालों के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए और सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुव्यवस्थित ड्रेनेज सिस्टम तैयार करना जरूरी है, ताकि वर्षा ऋतु में जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिल सके। इसके लिए संबंधित विभागों को नियमित स्थलीय निरीक्षण करने और कार्यों की सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जहां कहीं तकनीकी समस्या या अवरोध आ रहा हो, उसका त्वरित समाधान किया जाए।

साथ ही नालों के निर्माण कार्य में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर काम करने को कहा गया। बैठक में नगर आयुक्त सीमा विश्वकर्मा, सिंचाई, जल संस्थान और जल निगम समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

चारधाम यात्राः उत्तरकाशी यातायात पुलिस का सख्त एक्शन

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

उत्तरकाशी । चारधाम यात्रा को सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए उत्तरकाशी यातायात पुलिस ने शहर में विशेष अभियान चलाकर यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में सख्त कदम उठाए। ज्ञानसू, जोशियाड़ा और त्रिलोथ पुल क्षेत्रों में चलाए गए इस अभियान के दौरान नो-पार्किंग और नो-एंट्री जोन में खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी सख्ती

दिखाते हुए कुल 17 चालान मोटर वाहन अधिनियम के तहत किए।

अभियान के तहत ज्ञानसू क्षेत्र में सड़क किनारे रखे गए निर्माण सामग्री को हटवाकर यातायात को बाधारहित बनाया गया। वहीं, एक मिक्सर मशीन को क्रेन की सहायता से हटाकर पुलिस लाइन में जमा कराया गया। पुलिस प्रशासन ने आमजन और यात्रियों से अपील की है कि चारधाम यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित स्थानों पर ही वाहन पार्क करें और प्रशासन का सहयोग करें, ताकि यात्रा सुरक्षित और सुचारु रूप से संचालित हो सके।

टूटी पानी की लाइन करौली के श्योतडा तोक में हाहाकार

2 किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर

शिकायत के बावजूद विभाग नहीं ले रहा है संज्ञान दिए जा रहे हैं आश्वासन।

चंपावत। जिले के पाटी विकास खंड के ग्राम पंचायत करौली श्योतडा तोक में लंबे समय से पानी की लाइन टूटने से पिछले 2 माह से पानी के लिए लोगों का बुरा हाल है । 2 किलोमीटर दूर से पानी लाकर प्यास बुझा रहे हैं लोग पर कोई भी सुध लेने वाले नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कई बार जल संस्थान से अनुरोध करने के बाद भी पेयजल लाइन की मरम्मत नहीं की गई। विभाग के द्वारा सिर्फ आश्वासन दिए जा रहे हैं। कहा मजबूरी में ग्रामीण पलायन करने को तैयार है। मवेशियों को पेयजल उपलब्ध न होने के कारण ग्रामीण ने अपने जानवरों को बेचने के लिए मजबूर है। ग्रामीणों ने बताया लाइन जगह जगह टूटी हुई है और कई जगह ब्लॉक है । कहा मूल स्रोत में 4 इंच पाइप के बराबर पानी उपलब्ध हैं लेकिन विभागीय लापरवाही के चलते लोग प्यासे है।

ग्रामीणों ने संबंधित विभाग पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी चंपावत से उनकी पेयजल समस्या के समाधान की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा अगर समस्या का समाधान नहीं होगा तो ग्रामीण आंदोलन को बाध्य होंगे। मांग करने में हरीश चंद्र महेश चंद्र रेवाधर शिव दत्त, मुकेश, रमेश मोहन, जीवन , दीपक, पंकज, जानकी , पारवती, आरती, ईश्वरी, ममता, गोपाल, ललित आदि मौजूद रहे।

पारंपरिक भोजन व आर्ट प्रदर्शनी का आयोजन

उत्तरकाशी। रामचंद्र उनियाल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के बीएड विभाग में ईपीसी (पेशेवर क्षमता संवर्धन) कार्यक्रम के अंतर्गत बीएड प्रथम सेमेस्टर (सत्र 2025-27) के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा आर्ट एंड क्राफ्ट एवं क्षेत्रीय पारंपरिक भोजन सामग्री की आकर्षक प्रदर्शनी आयोजित की गई। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. डी. के. सिंह एवं डॉ. सुषमा के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं ने अपनी रचनात्मकता और सांस्कृतिक समझ का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में बीएड प्रशिक्षुओं द्वारा स्व-निर्मित विभिन्न शिक्षण सामग्रियों और आर्ट एंड क्राफ्ट मॉडल्स को प्रदर्शित किया गया, जो शिक्षण कौशल और नवाचार का उदाहरण बने। कार्यक्रम में उत्तराखंड की समृद्ध खानपान परंपरा को भी जीवंत किया गया। प्रशिक्षुओं द्वारा कई स्थानीय व्यंजन तैयार कर

प्रदर्शित किए गए, जिनमें प्रमुख हैं,गुलगुले, कद्दू का रायता, पंचमेल दाल,कंडाली की कापली, जौनसारी व्यंजन पिनाऊ, लिंगड़े की सब्जी, लाल चावल, गहत का फाणु,मंडुवा की रोटी, झंगोरे की खीर, चौलाई के लड्डू,गहत व तोर के परांठे, दाल के पकौड़े, पत्यूड़, सिड्डू,तिल के सिड़े, मंसूर दाल की बड़ी सहित इन व्यंजनों ने प्रदर्शनी को एक सांस्कृतिक मेले का रूप दे दिया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित डॉ. बच्चन लाल (विभागाध्यक्ष, भूगोल) ने सभी प्रदर्शित शिक्षण सामग्री एवं व्यंजनों का निरीक्षण कर प्रशिक्षु अध्यापकों का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर डॉ. आर.डी. नौटियाल, डॉ. चंद्रमोहन कोटनाला, डॉ. हरीश यादव, डॉ. दीपक भंडारी, डॉ. सोहन पाल भंडारी, डॉ. सुनीता पंवार, डॉ. मधु बहुगुणा, डॉ. नीतू राज, डॉ. नेहा गोस्वामी, डॉ. नेहा तिवारी, पूनम नेगी, ममराज चौहान सहित बीएड प्रथम वर्ष के सभी प्रशिक्षु अध्यापक उपस्थित रहे।

हिमोत्थान सोसाइटी के अंतर्गत जनपद में संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने हिमोत्थान सोसायटी के अन्तर्गत जनपद में संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा की। संस्था द्वारा संचालित कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण दिया और भविष्य की रणनीतियों के बारे में जानकारी साझा की। बैठक में मुख्य रूप से इस बात पर चर्चा की गई कि कैसे सरकारी विभाग और हिमोत्थान सोसायटी मिलकर जिले में चल रहे प्रोजेक्ट्स को अधिक प्रभावी बना सकते हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे लाभार्थी तक पहुँचना सुनिश्चित किया जाए। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनके कौशल विकास पर विशेष रणनीति तैयार की जाय। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करने और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए नए रोडमैप पर चर्चा हुई। उन्नत खेती और किसानों की आय बढ़ाने के उपायों पर जोर दिया गया। अलग-अलग विभागों के बीच बेहतर तालमेल बिठाकर योजनाओं के क्रियान्वयन को गति देने का निर्णय लिया गया। बैठक में सीडीओ जयभारत सिंह,पीडी अजय सिंह, सीएओ एसएस वर्मा, सीवीओ एचएस बिष्ट,सीएचओ डॉ रजनीश सिंह,पर्यावरण विशेषज्ञ स्वजल प्रताप मटूडा, हिमोत्थान सोसायटी देहरादून टीम लीडर शशी भूषण उनियाल, दिवाकर पुरोहित, अमित कुमार,संदीप रतुड़ी,सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पिथौरागढ़ में मौसम का हाई अलट

पिथौरागढ़ । मौसम विभाग के पूर्वानुमान और राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की चेतावनी के बाद जिले में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने सभी विभागों को सतर्क रहने और किसी भी आपदा से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। अपर जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि विशेष रूप से ऊंचे हिमालयी क्षेत्रों में ट्रेकिंग गतिविधियों और पर्यटकों की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में मौजूद रहने और मोबाइल फोन चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं। आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए राजस्व, ग्राम विकास और पंचायत विभाग को अलर्ट पर रखा गया है। वहीं, एनएच, लोनिवि, पीएमजीएसवाई और बीआरओ को निर्देशित किया गया है कि मार्ग अवरुद्ध होने की स्थिति में तत्काल उन्हें खोलना सुनिश्चित करें। गए हैं।

वनाग्नि रोकथाम को लेकर चौपाल, जनसहभागिता बढ़ाने पर जोर

अल्मोड़ा। जिले में वनाग्नि की घटनाओं की रोकथाम और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विकासखंड द्वाराहाट के सभागार में वनाग्नि चौपाल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जिलाधिकारी एवं जिला स्तरीय वनाग्नि समिति के अध्यक्ष अंशुल सिंह के निर्देशों के क्रम में आयोजित हुआ, जिसमें विकासखंड स्तरीय वनाग्नि समिति, ग्राम स्तरीय समितियों के अध्यक्षों, वन विभाग और पंचायतीराज विभाग के कार्मिकों ने भाग लिया। चौपाल में वनाग्नि के दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करने और प्रबंधन में जनसहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। प्रतिभागियों को बताया गया कि वनाग्नि के कारण जल स्रोत सूखते हैं, जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है और मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ता है। इसके साथ ही ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन पर पड़ने वाले प्रभावों की भी जानकारी दी गई। मुख्य प्रशिक्षक गजेंद्र कुमार पाठक ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से वनाग्नि से होने वाले नुकसान और उसके नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने शीतलाखेत मॉडल का उल्लेख करते हुए स्थानीय स्तर पर जनसहयोग से वनाग्नि नियंत्रण में सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम के तहत देर शाम विकासखंड के डढोली गांव में भी चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों को वनाग्नि से बचाव और रोकथाम के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान खंड विकास अधिकारी संतोष जेठी, ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख सुनील कांडपाल, वन क्षेत्राधिकारी गोपाल दत्त जोशी समेत अन्य मौजूद रहे।

केदारनाथ में आतिशबाजी कर मनाया बर्थडे, पुलिस ने की एफ आई आर दर्ज

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ मंदिर में एक युवक द्वारा अपने दोस्त का जन्मदिन आतिशबाजी कर मनाने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। जानकारी के अनुसार, चारधाम यात्रा के दौरान कुछ युवक केदारनाथ धाम पहुंचे थे, जहां उन्होंने अपने एक दोस्त का जन्मदिन मनाते हुए मंदिर परिसर के पास ही पटाखे फोड़ दिए। इस दौरान वीडियो भी बनाया गया, जिसे बाद में सोशल मीडिया पर साझा किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि यह वीडियो इंस्टाग्रम आईडी से अपलोड किया गया था। वीडियो में संबंधित युवक खुद आतिशबाजी करते हुए दिखाई दे रहा है और घटना की पुष्टि करता नजर आता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रुद्रप्रयाग पुलिस ने धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि केदारनाथ जैसे पवित्र स्थल पर इस प्रकार की गतिविधियां किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

अधिकारियों के अनुसार, जल्द ही संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के सामने आने के बाद श्रद्धालुओं में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि धार्मिक स्थलों की मर्यादा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है ।

शामा उप-तहसील में कार्य शुरू

बागेश्वर। जनपद में प्रशासनिक सेवाओं को सुदृढ़ और आमजन के लिए सुलभ बनाने की दिशा में शामा उप-तहसील में विधिवत कार्य संचालन शुरू हो गया है। अब क्षेत्रीय नागरिकों को राजस्व संबंधी सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगी। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे के निर्देशों के क्रम में शुरू हुई इस व्यवस्था से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। अब आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र सहित अन्य राजस्व कार्यों के लिए तहसील कपकोट नहीं जाना पड़ेगा। अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल ने बताया कि उप-तहसील में नायब तहसीलदार भूपाल गिरी के साथ दो लिपिकों की तैनाती कर दी गई है, जिससे कार्यों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित होगा। उन्होंने बताया कि आमजन के समय और धन की बचत के साथ ही उन्हें अपने क्षेत्र में ही बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। सुचारू संचालन के लिए उप-तहसील में होमगार्ड और पीआरडी जवानों की तैनाती भी की गई है, जिससे सुरक्षा एवं अनुशासन बना रहेगा।

गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम यात्रा सुरक्षित, लेकिन सतर्कता जरूरी

गंगोत्रीधाम (उत्तरकाशी)। चारधाम यात्रा के अंतर्गत गंगोत्री धाम में इन दिनों श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिल रही है। यात्रा पूरी तरह सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से संचालित हो रही है। श्रद्धालु बिना किसी बड़ी बाधा के गंगा मैया के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। वहीं यमुनोत्री धाम की यात्रा भी व्यवस्थित ढंग से जारी है। श्रद्धालु अपने वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़ा कर जानकीचट्टी से पैदल मार्ग द्वारा श्रद्धा के साथ धाम की ओर बढ़ रहे हैं।

नशे पर वार, 794 ग्राम चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

उत्तरकाशी । चारधाम यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए उत्तरकाशी पुलिस द्वारा नशे और अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए नशा तस्करों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सोमवार शाम को पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार के पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने मानपुर रोड स्थित कुटेटी देवी मंदिर के पास एक संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी विजय सिंह (38 वर्ष) निवासी सिरी धौन्तरी, तहसील डुण्डा, जनपद उत्तरकाशी के कब्जे से 794.50 ग्राम अवैध चरस बरामद की गई। आरोपी की आरटिका कार (यूके07बीएल 9719) को भी कब्जे में लिया गया। बरामदगी के आधार पर आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20/60 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी के आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है और उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

मेयर ने किया नवनिर्मित सोलर पेयजल लिफ्ट योजना व टैंक का लोकार्पण

सिकड़ानीवासियों की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

पिथौरागढ़। नगर निगम की महापौर कल्पना देवलाल ने सेरा चंडाक वार्ड के सिकड़ानी ग्राम में नगर निगम द्वारा निर्मित सोलर पेयजल लिफ्ट योजना एवं पेयजल टैंक का लोकार्पण करके ग्रामवासियों की वर्षों से लंबित पेयजल आपूर्ति की मांग का समाधान कर दिया। योजना का पार्षद रवि मेहता, डॉ. पीताम्बर अवस्थी, नगर निगम अधिकारियों व क्षेत्रवासियों के साथ विधिवत पूजन करके शुभारम्भ किया गया।

मेयर कल्पना देवलाल ने कहा कि नगर निगम द्वारा नगर में अनेक जनहित के कार्यों और योजनाओं का लोकार्पण किया जा रहा है। जनता की समस्याओं का समाधान करना ही उनका मुख्य उद्देश्य है। जनता को कोई भी परेशानी है तो वह उनसे निसंकोच संपर्क करके अपनी समस्या व व्यथा बता सकती है।

उनकी हर परेशानी को दूर करना उनका परम कर्तव्य है। क्षेत्रवासियों ने उनकी वर्षों पुरानी पेयजल आपूर्ति की मांग का समाधान करने के लिए मेयर कल्पना देवलाल का आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ नागरिकों ने अंगवस्त्र भेंट करके मेयर का अभिनंदन किया। अवर अभियंता ने बताया कि नगर निगम द्वारा 40 हजार के. एल. की क्षमता वाले पेयजल टैंक से सोलर लिफ्टिंग के माध्यम से सिकड़ानी तक पेयजल आपूर्ति सुचारू की गई है। इस दौरान पार्षद प्रवीण उपरारी, रवि लुंठी, अजय अवस्थी, अवर अभियंता उमेश अवस्थी, नंदा बल्लभ पांडेय, हरीश बोरा, उमेश चंद्र जोशी, पूर्व प्रधान बसंत सिंह, धीरेंद्र जोशी, अनिल रावत, शमशेर सिंह, होशियार सिंह, विमला रावत, भावना रावत, मोहिनी देवी, विनीता बोरा, लक्ष्मी देवी, गंगा देवी आदि उपस्थित थे।

अल्मोड़ा जिला सहकारी बैंक की सामान्य निकाय बैठक संपन्न, बागेश्वर में नए बैंक गठन को मंजूरी

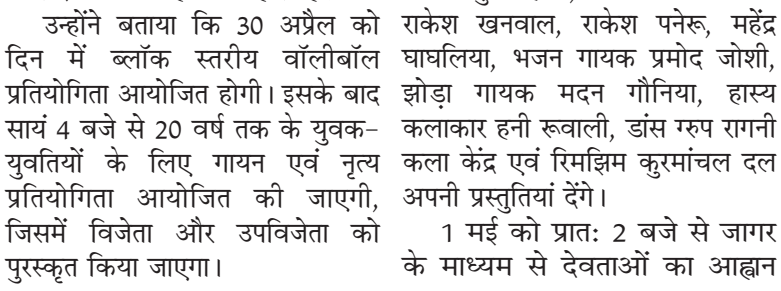

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा जिला सहकारी बैंक लि0, अल्मोड़ा की विशेष सामान्य निकाय की बैठक संपन्न हुई, जिसमें बागेश्वर जनपद के लिए पृथक जिला सहकारी बैंक के गठन को सर्वसम्मति से मंजूरी प्रदान की गई।

बैठक में बैंक के निवर्तमान अध्यक्ष ललित लटवाल ने कहा कि बागेश्वर की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए पूर्व में ही अलग बैंक के गठन का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया था। उन्होंने इस निर्णय के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, उत्तराखंड के सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया।

वन डिस्ट्रिक्ट वन बैंक और वन बैंक वन डिजिटल की नीति के अंतर्गत यह निर्णय लिया गया है, जिसके तहत अल्मोड़ा जिला सहकारी बैंक से पृथक होकर बागेश्वर डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड का गठन किया जाएगा।

बैठक में चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा तैयार पूंजी एवं दायित्वों के विभाजन से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इस रिपोर्ट को बैंक के सचिव एवं महाप्रबंधक मनोहर सिंह भण्डारी ने सदन के समक्ष पढ़ा। उपस्थित प्रतिनिधियों ने इस पर अपने विचार व्यक्त किए और अंततः सर्वसम्मति से इसे अनुमोदित कर दिया गया।

वर्तमान में बागेश्वर जनपद में बैंकिंग कार्य अल्मोड़ा जिला सहकारी बैंक लिमिटेड के माध्यम से संचालित हो रहा है, लेकिन अब स्वतंत्र बैंक बनने से स्थानीय स्तर पर बैंकिंग सेवाएं और अधिक सुलभ होंगी।

भारत सरकार और सहकारिता मंत्रालय द्वारा देश के प्रत्येक जिले में बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए व्यापक पहल की जा रही है। इसी क्रम में उत्तराखंड के बागेश्वर, चम्पावत और रुद्रप्रयाग जनपदों में भी अलग-अलग जिला सहकारी बैंकों की स्थापना का प्रस्ताव है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को मजबूती मिलेगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा (बैंक प्रशासक), जिला सहायक निबंधक सहकारी समितियां रोहित कुमार, जिला विकास प्रबंधक (नाबार्ड) गिरीश चन्द्र पंत, सचिव महाप्रबंधक मनोहर सिंह भण्डारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन अनुभाग अधिकारी भूपेन्द्र सिंह बिष्ट द्वारा किया गया।

लोहाखामताल में 30 अप्रैल व 1 मई को लगेगा वैशाखी पूर्णिमा मेला

खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम और जागर के साथ दो दिवसीय आयोजन

ओखलकांडा (नैनीताल)। ओखलकांडा ब्लॉक के लोहाखामताल में वैशाखी पूर्णिमा के अवसर पर 30 अप्रैल एवं 1 मई को दो दिवसीय मेले का आयोजन किया जाएगा। मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष दीवान सिंह एवं मेला कमेटी अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि मेले को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं और क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल को दिन में ब्लॉक स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसके बाद सायं 4 बजे से 20 वर्ष तक के युवक-युवतियों के लिए गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विजेता और उपविजेता को पुरस्कृत किया जाएगा।

रात्रि 9 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति होगी, जिसमें लोकगायक राकेश खनवाल, राकेश पनेरू, महेंद्र घाघलिया, भजन गायक प्रमोद जोशी, झोड़ा गायक मदन गौनिया, हास्य कलाकार हनी रूवाली, डांस ग्रुप रागनी कला केंद्र एवं रिमझिम कुरमांचल दल अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

1 मई को प्रातः 2 बजे से जागर के माध्यम से देवताओं का आह्वान किया जाएगा। इसके बाद प्रातः 5 बजे श्रद्धालु पवित्र कुंड में स्नान करेंगे और सुबह 7 बजे से प्रसाद वितरण किया जाएगा। लोहाखाम मंदिर स्युत्रा में 30 अप्रैल को दोपहर 1 बजे से मेला समाप्ति तक श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया है। मेले की तैयारियों में क्षेत्र एवं चौगड़ के लोग सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

आठ अवैध भट्ठियां ध्वस्त, 10 हजार लीटर लहन नष्ट

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

शक्तिफार्म। अवैध कच्ची शराब के खिलाफ शक्तिफार्म चौकी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शराब माफियाओं के नेटवर्क पर करारा प्रहार किया है। सोमवार को जगतारपुर और तिलियापुर के जंगलों में चलाए गए सघन अभियान में पुलिस ने भारी मात्रा में लहन नष्ट करते हुए कई अवैध भट्ठियों को जमींदोज कर दिया। पुलिस को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि बाराकोली रेंज के दुर्गम जंगलों में तस्करों ने अवैध शराब बनाने का ठिकाना बना रखा है। इसी के आधार पर चौकी प्रभारी ललित चौधरी के नेतृत्व में टीम ने छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कुल 8 अवैध भट्ठियों को मौके पर ही ध्वस्त कर दिया। वहीं करीब 10 हजार लीटर लहन को बहाकर नष्ट किया गया। शराब बनाने में इस्तेमाल हो रहे बर्तन और अन्य उपकरण भी जब्त कर नष्ट कर दिए गए। अभियान में पुलिस टीम के हरीश चंद, हरगोविंद सिंह, कमल सिंह और भूपाल बिष्ट शामिल रहे। सीओ बीएस धौनी ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। इस धंधे में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अपर उपनिरीक्षक खाती का आकस्मिक निधन

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। जनपद ऊधम सिंह नगर के पुलिस लाईन रुद्रपुर में तैनात अपर उपनिरीक्षक स्व0 संजय सिंह खाती का कल रात्रि को आकस्मिक निधन हो गया। स्व0 संजय सिंह खाती मूल रूप से पिथौरागढ़ के निवासी थे तथा वर्ष 1990 में पुलिस विभाग में आरक्षी के पद पर भर्ती हुए थे तथा वर्तमान में पुलिस लाईन रुद्रपुर में अपनी सेवाएं दे रहे थे।स्व0 संजय सिंह खाती के आकस्मिक निधन पर ऊधमसिंहनगर पुलिस परिवार गहरा शोक व्यक्त करती है। यह अपूरणीय क्षति हम सभी के लिए अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है।ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को इस दुःखद घड़ी में धैर्य, साहस एवं शक्ति प्रदान करें।जनपद ऊधमसिंहनगर पुलिस परिवार इस दुःख की घड़ी में शोक-संतप्त परिवार के साथ खड़ा है।

ज्ञानप्रकाश संस्कृत पुस्तकालय में काव्य गोष्ठी में कवियों ने मचाया धमाल

पिथौरागढ़। ज्ञानप्रकाश संस्कृत पुस्तकालय मंजरी कुंज न्यू बजेटी में मासिक काव्य गोष्ठी एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में जीवन के विभिन्न रंग विषय पर सार्थक चर्चा हुई। गोष्ठी की अध्यक्षता लक्ष्मी आर्या ने की। काव्य गोष्ठी में डॉ. पीताम्बर अवस्थी ने आदमी रचता है भगवान, डर से भय से और आतुरता से, भावना भट्ट ने आज सुनाने को कविता नहीं है, भाव तो हैं पर भावों की सरिता नहीं है, काजल नेगी ने जहां गुनाह तब तक गुनाह नहीं, जब तक वो देहली न लांघे मेरी, उमा पाटनी अवनि ने किस किस को हिसाब दोगे, जिंदगी की किताब दोगे, अनीता जोशी ने फिर इश्क ए गुफ्तगू है, फिर शाम का नजारा, लक्ष्मी आर्या ने बकरी बोली तेरे खाने को, मानव बहुत सी चीजें हैं, डॉ. आनंदी जोशी ने पहाड़ जनम ल्हियो, पहाड़ै में रूंला, डॉ. नीरज चंद्र जोशी ने हार हो या जीत हो ना कभी भयभीत हो पंक्तियां सुनाकर अपनी कविता की शुरुआत की और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान मंजुला अवस्थी, हेमा देवी, जया लोहनी आदि उपस्थित थे। मंच संचालन भावना भट्ट ने किया।

नानकसागर डैम में हादसा, फिसलकर डूबे रोडवेज चालक की मौत

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

नानकमत्ता। क्षेत्र के नानकसागर डैम पर मंगलवार सुबह एक हादसे में रोडवेज बस चालक की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। जानकारी के मुताबिक भुड्डिया लाइन बग्घा-54 निवासी 54 वर्षीय मनोहर सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह रोडवेज में संविदा चालक थे और करीब 15 साल से सेवा दे रहे थे। मंगलवार को वह टनकपुर में बस खड़ी कर से काशीपुर अपने बच्चों से मिलने जा रहे थे। इसी दौरान नानकसागर डैम के पास बस से उतरकर डैम किनारे पर हाथ-पैर धोने उतर गए। बताया जा रहा है कि पानी के पास पहुंचते ही उनका पैर अचानक फिसल गया और वह सीधे गहरे पानी में जा गिरे। आसपास तुरंत मदद नहीं मिलने के कारण वह बाहर नहीं निकल सके और डूब गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। चिकित्सकों ने फेफड़ों में पानी भरने को मौत का कारण बताया है। मृतक अपने पीछे पत्नी, चार विवाहित बेटियां और एक नौ वर्षीय बेटे को छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से डैम क्षेत्र में सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने की मांग की है।

हीट वेब के चलते चम्पावत में विद्यालयों का समय परिवर्तित 10 मई तक नई व्यवस्था लागू

चंपावत। मौसम विज्ञान विभाग, देहरादून द्वारा जारी नवीनतम पूर्वानुमान के अनुसार उत्तराखण्ड के मैदानी क्षेत्रों में भीषण गर्मी एवं हीट वेब की संभावना व्यक्त की गई है। वर्तमान मौसम विश्लेषण के अनुसार तापमान में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप आमजन, विशेषकर स्कूली छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने तथा निर्जलीकरण सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी जोखिम उत्पन्न होने की आशंका है।इसी परिप्रेक्ष्य में जनपद चम्पावत के अन्तर्गत मैदानी एवं अन्य प्रभावित क्षेत्रों में संचालित समस्त ग्रीष्मावकाश वाले (सरकारी एवं गैर-सरकारी, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक) विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन दिनांक 29 अप्रैल, 2026 से 10 मई, 2026 तक प्रातः 7:45 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक सुनिश्चित किया जाएगा।शेष शीतावकाश वाले विद्यालय पूर्व निर्धारित समय-सारणी के अनुसार संचालित होते रहेंगे।मुख्य शिक्षा अधिकारी मान सिंह द्वारा जनपद के समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों एवं उप शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही, किसी भी प्रकार के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।जिला प्रशासन ने अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंधन से भी अपील की है कि बच्चों को अत्यधिक धूप एवं गर्मी से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियां अपनाने के लिए जागरूक करें, ताकि उष्ण लहर के प्रभाव से सुरक्षित रहा जा सके।

डीएम के निर्देश पर गोसनी में पेयजल की लैब जांच संपन्न

चंपावत। जिलाधिकारी चंपावत मनीष कुमार के निर्देशन में विकासखंड पाटी के अंतर्गत गोसनी ग्राम पंचायत में पेयजल गुणवत्ता की शिकायतों का तत्काल प्रभावी निराकरण कर दिया गया है।ग्रामीणों द्वारा दूषित जल आपूर्ति की आशंका जताए जाने के बाद जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग को गहन जांच के निर्देश दिए थे। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता आर.पी. डोभाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जिलाधिकारी के आदेशों के क्रम में विभाग द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए गोसनी क्षेत्र के जल नमूनों को लैब टेस्ट के लिए भेजा गया था। प्रयोगशाला से प्राप्त आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, गोसनी में आपूर्ति किया जा रहा पानी पूरी तरह से स्वच्छ और पीने योग्य पाया गया है।अधिशासी अभियंता आर.पी. डोभाल ने आगे बताया कि ग्रामीणों की सुविधा और क्षेत्र में सुचारू जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कानाकोट वाटर सप्लाई योजना को भी पूरी तरह चालू कर दिया गया है। लैब रिपोर्ट में पानी के मानक सही पाए जाने और नई पेयजल आपूर्ति शुरू होने से अब ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा।

पेड़ गिरने से मडलक बगोटी सड़क बंद एसडीएम ने सड़क खोलने के दिए निर्देश

लोहाघाट । सीमांत मडलक के बगोटी के तोक बसोटा में मंगलवार दोपहर लगभग 3.30 बजे आए आधी और तूफान से नागार्जुन बाबा मंदिर बसोटा का विशालकाय पेड़ का एक हिस्सा टूट गया है जिससे विद्युत लाइन के तार को काफी क्षति पहुंची हुई है। पेड़ गिरने से मडलक बगोटी रोड बंद हो गई है। क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता भुवन बिष्ट ने बताया सड़क बंद होने से एसएसबी के साथ-साथ अन्य वाहन फस गए हैं तथा विद्युत आपूर्ति बंद हो चुकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क खोलने और विद्युत व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। सड़क बंद होने की सूचना मिलते ही एसडीएम लोहाघाट नीतू डांगर ने पीएमजीएसवाई विभाग को तत्काल सड़क खोलने के निर्देश दिए हैं। पीएमजीएसवाई के अभियंता हयाद कोहली ने बताया ग्रामीणों को मदद से पेड़ को काटकर सड़क खोल दी गई है। विद्युत विभाग के अभियंता ने कहा जल्द विद्युत लाइन को सुचारु किया जाएगा।

मतदाता सूची में दो जगह नाम होने से जिपं सदस्य कृष्णानंद जोशी का निर्वाचन रद्द

कईयों की बड़ी दिलों की धड़कन, हाई कोर्ट की शरण लेंगे जोशी

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

चंपावत। जिला न्यायालय ने जिले की शक्तिपुर बुगा जिला पंचायत सीट से विजेता प्रत्याशी कृष्णानंद जोशी के निर्वाचन को रद्द करने के निर्देश दिए हैं।न्यायालय ने कृष्णानंद जोशी का दो जगह मतदाता सूची में नाम दर्ज होने की वजह से यह फैसला सुनाया है। दूसरे नंबर पर रहे प्रत्याशी मनमोहन सिंह की याचिका पर जिला जज अनुज कुमार संगल ने कल 28 अप्रैल को यह आदेश दिया है। न्यायालय के आदेश के बाद यह सीट फिलहाल रिक्त हो गई है। मामले में कृष्णानंद जोशी ने कहा वह जिला न्यायालय के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट की शरण लेंगे। फिलहाल न्यायालय के फैसले ने दो जगह नाम होने वाले प्रत्याशियों की दिलो की धड़कन बढ़ा दी हैं। मामले मे याचिका कर्ता मनमोहन सिंह ने अदालत से उन्हें विजेता घोषित करने की याचिका की थी। पर अदालत ने विजेता प्रत्याशी का

चुनाव निरस्त किया है।

और जा सकती है कुछ पंचायत प्रतिनिधियों की कुर्सी

चंपावत। जिला न्यायालय चंपावत ने मंगलवार को वोटर लिस्ट में दो-दो जगह नाम होने पर चंपावत की शक्तिपुर बुगा के जिला पंचायत सदस्य कृष्णानंद जोशी के निर्वाचन को रद्द कर दिया। अदालत के फैसले के बाद चंपावत जिले में वोटर लिस्ट में दो-दो जगह नाम वाले पंचायत प्रतिनिधियों में हड़कंप मच गया है। तो मामले में लोगों ने कहा चंपावत जिले में कुछ ऐसे पंचायत प्रतिनिधि चुनकर आए हैं जिनका वोटर लिस्ट में दो-दो जगह नाम है। लोगों ने इसे प्रशासन की लापरवाही करार दिया है। कहा विपक्षी प्रत्याशियों के द्वारा जब चुनाव के वक्त इन प्रतिनिधियों की वोटर लिस्ट में दो-दो जगह नाम होने की शिकायत की गई तो उस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया ना ही कोई जांच की गई। वहीं अब कई हारे हुए प्रत्याशी न्यायालय में याचिका लगाने की तैयारी कर रहे हैं तथा कई लोग पूर्व में याचिका लगा चुके हैं। जिन पर अदालत में सुनवाई जारी है। अदालत के मनमोहन सिंह बनाम कृष्णानंद जोशी मामले में फैसले के बाद हारे हुए प्रत्याशियों के हौसले बुलंद हैं। तो वही वोटर लिस्ट में दो-दो जगह नाम वाले जीते हुए प्रत्याशियों को अब सीट गवाने का डर सता रहा है। कई हारे हुए प्रत्याशियों ने बताया उन लोगों के द्वारा चुनाव के वक्त ही प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की गई थी पर उसे वक्त उनकी शिकायत पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। वहीं लोगों ने कहा अब कई और पंचायत प्रतिनिधियों की सीट न्यायालय के फैसले के बाद जा सकती है। अदालत के फैसले से हारे हुए प्रत्याशियों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। अब देखने वाली बात है कितने पंचायत प्रतिनिधि अपनी सीट गवाते हैं।

सीएम घोषणा के बावजूद क्वारखोली पड़ासोंसेरा सड़क में नहीं हुआ कार्य शुरू

चम्पावत । जिले के विकासखंड बाराकोट की क्वारखोली - पड़ासोंसेरा सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि ग्रामीणों का सड़क में यात्रा करना तक दूभर हो गया है । ग्रामीण बरसों से सड़क में डामरीकरण की मांग कर रहे है । लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही हाथ लगे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सड़क निर्माण की घोषणा के बावजूद सड़क में काम शुरू न होना ग्रामीणों के आक्रोश को और बढ़ा रहा है । सवाल यह उठ रहा है कि जब घोषणा हो चुकी है , तो फिर निर्माण कार्य में इतनी देरी क्यों ? स्थानीय निवासी अधिवक्ता लोकमान अधिकारी ने इस समस्या को प्रशासन के सामने मजबूती से उठाया । उन्होंने जनता मिलन कार्यक्रम में पहुंचकर जिलाधिकारी को पत्र सौंपा और सड़क निर्माण कार्य जल्द शुरू कराने की मांग की । इस बदहाल सड़क का असर सिर्फ एक गांव तक सीमित नहीं है । सुराकोट , रावलगांव , सीमलटुकरा , झिरकुनी , छुलापें और पड़ासोंसेरा जैसे कई गांवों के लोग रोजाना इस खराब सड़क से जूझने को मजबूर हैं । बारिश के दिनों में हालात

और भी भयावह हो जाते हैं । सड़क खराब होने से मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में देरी होती है , बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और रोजगार के अवसर भी सीमित हो जाते हैं । ग्रामीणों का कहना है कि सड़क सिर्फ सुविधा नहीं , बल्कि उनके जीवन की जरूरत है । ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि अगर जल्द ही सड़क निर्माण शुरू नहीं हुआ , तो वे बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे । अब प्रशासन और सरकार इस पर कितनी जल्दी संज्ञान लेते हुए ग्रामीणों को सड़क के झटको से निजात दिलाता हैं ।

गर्मी बढ़ने के साथ अस्पताल मे बढ़ने लगी उल्टी दस्त के मरीजों की तादाद

लोहाघाट। अप्रैल के महीने में पहाड़ों मे भी गर्मी अपने चरम पर है। गर्मी बढ़ने के साथ ही पहाड़ों में उल्टी दस्त का प्रकोप भी होने लगा है। लोहाघाट उप जिला चिकित्सालय में उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। आज मंगलवार को लोहाघाट उप जिला चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर विराज राठी ने बताया इन दिनों गर्मी चरम पर है घाटी वाले क्षेत्र में गर्मी का प्रकोप काफी ज्यादा बढ़ गया है। डॉ0 राठी ने बताया गर्मी बढ़ने के साथ ही उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या भी बढ़ने लगी है। कहा लोहाघाट जिला चिकित्सालय में भी रोज उल्टी दस्त के मरीज पहुंचने लगे हैं जिनका यहा उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया अत्यधिक गर्मी में बाहर न निकले, पानी में ओआरएस मिलाकर पिए, बाहर के खाने तथा बासी भोजन खाने से परहेज करें। गर्मियों में बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। डॉ राठी ने बताया पानी को हमेशा उबालकर पिए उल्टी दस्त होने पर मरीज को पानी में ओआरएस डालकर पिलाए तथा अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में मरीज को भर्ती कराए । उन्होंने कहा अस्पताल में सभी व्यवस्थाएं चाक चोबंद रखी गई है। उन्होंने लोगों से दिए गए निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

लोहाघाट में पेयजल के लिए मचा हाहाकार

लोहाघाट । गर्मी बढ़ने के साथ-साथ ही लोहाघाट नगर में पेयजल के लिए हाहाकार मचने लग गया है। जनता को जल संस्थान के द्वारा 4 से 5 दिन में पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। जिस कारण नगर की आबादी नौलों , धारों हैंडपंपों से पानी ढोने को मजबूर हैं। पूर्व सभासद राज किशोर शाह, विवेक ओली व अन्य लोगों ने बताया जल संस्थान के द्वारा 4 से 5 दिन में पानी उपलब्ध कराया जा रहा है वह भी मात्र 100 लीटर। जिस कारण लोगों को गंभीर पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा अभी गर्मी की शुरुआत हुई है पेयजल की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने प्रशासन व जल संस्थान से पूर्व की भांति टैंकरों से टैंकों में पानी डाल लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने

की मांग की है। कहा जल संस्थान के द्वारा अभी टैंकर सुविधा शुरू तक नहीं की है। साथ ही लोगों ने जल्द से जल्द सरयू पेयजल लिफ्ट योजना निर्माण की मांग की है। कहा वर्षों से लोहाघाट नगर वासी पेयजल समस्या से जूझ रहे हैं। लोग गर्मी शुरू होते ही दूर-दूर नौलो धारों से पानी ढोने को मजबूर है वहा भी भारी भीड़ होने के चलते लोगों को घंटो इंतजार करना पड़ रहा है। पेयजल को लेकर लोगों में काफी गहरी नाराजगी है। मामले में जल संस्थान के अभियंता पवन बिष्ट ने बताया पेयजल स्रोतों में पानी कम होने से मांग के अनुरूप पानी नहीं मिल पा रहा है जल्द ही टैंकरों से पेयजल टैंकों में पानी भरा जाएगा। कुल मिलाकर लोहाघाट नगर वासियों को इस वर्ष भी गंभीर पेय जल समस्या का सामना करना पड़ सकता है। फिलहाल सरयू अभी दूर है।

पाड़ासोसेरा/तल्ला बापरू मोटर मार्ग सुधारीकरण को 30.64 लाख स्वीकृत

संशोधन प्रस्ताव शासन को प्रेषित

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

बाराकोट । विकासखंड के अंतर्गत पाड़ासोसेरा-क्वांकरोली मोटर मार्ग की स्थिति को लेकर स्थानीय ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं पर जिलाधिकारी मनीष कुमार ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्यवाही शुरू कर दी है।

ग्रामीणों की मांगों एवं उनकी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री कार्यालय से पत्राचार कर मुख्यमंत्री घोषणा संख्या-295/2026 में आंशिक संशोधन का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। प्रस्ताव का उद्देश्य योजना के दायरे को स्पष्ट करते हुए पाड़ासोसेरा एवं तल्ला बापरू दोनों क्षेत्रों को शामिल करना है,

ताकि इस महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग के डामरीकरण एवं सुधारीकरण का कार्य बिना किसी तकनीकी बाधा के पूर्ण किया जा सके।इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने तात्कालिक राहत प्रदान करते हुए मार्ग के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत के लिए भी वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।पीएमजीएसवाई लोहाघाट के अधिशासी अभियंता भुवन नैनवाल ने बताया कि मार्ग पर आवश्यक पैचवर्क एवं त्वरित मरम्मत कार्यों हेतु 30.64 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस राशि से सड़क पर बने गड्ढों को भरने एवं मार्ग को सुगम एवं सुरक्षित बनाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इस कार्य हेतु निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है तथा टेंडर आगामी 12 मई, 2026 को खोले जाएंगे, जिसके उपरांत शीघ्र ही धरातल पर कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करना एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। शासन से संशोधन प्रस्ताव को स्वीकृति मिलते ही मार्ग के पूर्ण डामरीकरण का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा।

रिकॉर्ड तोड़ जंगलों में आग की घटनाएं दर्ज

वायु गुणवत्ता चिंताजनक, ब्लैक कार्बन से बढ़ रही तपन

देहरादून। वनाग्नि की घटनाओं में 96.08 हेक्टेअर क्षेत्रफल में बेशकीमती जंगल जल चुके हैं। वनाग्नि से वायु गुणवत्ता को लेकर चिंता बनी हुई है। ब्लैक कार्बन भी तपन बढ़ा रही है।

गढ़वाल मंडल के विभिन्न जिलों में इस साल अप्रैल महीने के तीसरे हफ्ते में ही रिकॉर्ड तोड़ वनाग्नि की घटनाएं दर्ज की गईं। बीते साल के मुकाबले अभी तक करीब 42 फीसदी अधिक जंगल जल चुके हैं। जिससे पहाड़ों के स्वच्छ पर्यावरण में भी वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। विशेषज्ञों ने इससे गंभीर खतरे की आशंका जताई है।

वनाग्नि की घटनाओं में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश वन विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक अभी तक वनाग्नि की 145 घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं। जिसमें 81 घटनाएं आरक्षित जंगलों और 64 सिविल वनों में दर्ज की गईं। इससे 96.08 हेक्टेअर क्षेत्रफल में बेशकीमती जंगल जल चुके हैं।

अप्रैल के तीसरे सप्ताह तक वनाग्नि की सर्वाधिक 110 घटनाएं अकेले गढ़वाल वृत्त के अंतर्गत पांच वन प्रभागों में रिकॉर्ड की गईं। जिसमें 56 घटनाएं आरक्षित जबकि 54 घटनाएं सिविल वनों में दर्ज की गईं।

बुद्ध पूर्णिमा स्नान पर्व पर होगा यातायात परिवर्तन

देहरादून। बुद्ध पूर्णिमा स्नान पर्व के लिए यातायात रूट डायवर्जन प्लान जारी किया गया है। प्लान 30 अप्रैल की रात से लागू होगा और मेला समापन प्रभावी रहेगा।

एक मई को होने वाले बुद्ध पूर्णिमा स्नान पर्व को लेकर पुलिस ने रूट डायवर्जन ट्रैफिक प्लान जारी किया है। शहर में यातायात सुचारु बनाए रखने के लिए कई मार्गों पर डायवर्जन और पार्किंग व्यवस्था लागू रहेगी। एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि 30 मई की रात 12 बजे से शहर क्षेत्र में सभी भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। मेला संपन्न होने तक प्लान प्रभावी रहेगा। अधिकारियों को प्लान का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं।ऐसी रहेगी मुख्य यातायात व्यवस्था

यातायात दबाव बढ़ने पर सभी भारी वाहनों को बॉर्डर पर ही रोका जाएगा।

-नगलाइमरती से वाहनों को डायवर्ट कर बैरागी कैंप पार्किंग एवं होल्डिंग एरिया में रोका जाएगा।

-चीला मार्ग का उपयोग केवल ऋषिकेश की ओर निकासी के लिए किया जाएगा।

-सामान्य दबाव में वाहन गुरुकुल कांगड़ी सर्विस लेन से सिंहद्वार होते हुए शंकराचार्य चौक भेजे जाएंगे।

-टोल प्लाजा पर दबाव बढ़ने पर नहर पटरी मार्ग निकासी के लिए उपयोग होगा। -देहरादून/ऋषिकेश जाने वाली निजी बसों को आवश्यकता अनुसार मोहंड मार्ग से भेजा जाएगा।

जनगणना 2027 आईडी कार्ड अनिवार्य, दैनिक प्रगति रिपोर्ट के निर्देश

देहरादून। नगर आयुक्त एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी की अध्यक्षता में जनगणना 2027 के कार्यों की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना कार्य को समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक के दौरान सभी चार्ज अधिकारियों ने अवगत कराया कि प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को नियुक्ति पत्र तथा पहचान पत्र (आईडी कार्ड) वितरित किए जा रहे हैं।

नगर आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कर्मचारी फील्ड में कार्य के दौरान अपना आईडी कार्ड अनिवार्य रूप से धारण करें। यदि किसी गृहस्वामी द्वारा पहचान पत्र की मांग की जाती है, तो संबंधित कर्मचारी अपना परिचय देते हुए एचएलबी (हाउस लिस्टिंग एवं बिल्डिंग) कार्य को संपादित करेंगे।

इसके अतिरिक्त, यह भी निर्देशित किया गया कि जनगणना कार्य में लगे कर्मचारी अपने नियमित दायित्वों को प्रभावित किए बिना इस कार्य को प्राथमिकता दें। इस कार्य के लिए उन्हें नियमानुसार अतिरिक्त पारिश्रमिक भी प्रदान किया जा रहा है।

बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि जो कर्मचारी बिना पूर्व सूचना अनुपस्थित रहेंगे या आवश्यक प्रपत्र एवं सामग्री (बैग आदि) प्राप्त नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध जनगणना अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए भारत सरकार द्वारा टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1855 भी जारी किया गया है, जिससे संबंधित किसी भी समस्या का समाधान प्राप्त किया जा सके।

साथ ही, सभी चार्ज अधिकारियों को प्रतिदिन कार्य की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कार्य की सतत निगरानी एवं मूल्यांकन सुनिश्चित किया जा सके।

मर्चूला में श्मशान घाट पर विवाह समारोह, वीडियो वायरल होने पर प्रशासन ने नोटिस जारी किया

अल्मोड़ा। मर्चूला में रामगंगा और बदनगढ़ नदी के संगम पर स्थित अंत्येष्टि स्थल पर एक विवाह समारोह आयोजित किया गया। यह वही स्थान है जहां स्थानीय लोग अंतिम संस्कार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे स्थान पर विवाह की रस्में निभाए जाने को लेकर लोगों में हैरानी और नाराजगी दोनों देखने को मिल रही है। इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर लोगों ने सवाल उठाए हैं कि क्या वेडिंग डेस्टिनेशन के नाम पर पारंपरिक मान्यताओं को इस तरह नजरअंदाज किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी इस पर आपत्ति जताते हुए इसे स्थानीय परंपराओं के विपरीत बताया है। मामले के सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। वहीं मंगलवार को तहसील सल्ट अन्तर्गत मर्चुला में सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो शमशान घाट में शादी होने के संबंध में मामला संज्ञान में आने पर तहसीलदार सल्ट आबिद अली द्वारा रीवर क्रीक रिजॉर्ट के प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है उन्होंने कहा कि अभी जांच की जा रही है संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी द्य

पत्रकार बसंत जोशी ने दिखाई ईमानदारी सड़क में गिरे 13 हजार रुपए किए वापस

लोहाघाट। पत्रकार बसंत जोशी ने ईमानदारी का परिचय देते हुए सड़क में

गिरे हुए 13 हजार रुपए वापस रुपए मालिक को सुरक्षित लौटाए है। कल सोमवार की सुबह बसंत जोशी मॉर्निंग वाक कर लौट रहे थे तभी लोहाघाट के बाड़ी गाड़ पुल के पास उन्हें यह रकम सड़क में गिरी हुई नजर आई। जोशी ने यह रकम अपने पास सुरक्षित रख ली तथा रुपए मालिक का पता लगाने मे जुट गए। रूपए के साथ मिले पर्चे में नरेश सिंह निवासी तड़ाग लिखा हुआ था। व्यापारी नरेश सिंह का पता लगाकर उनसे संपर्क किया गया। रुपए व कागजातों की सही जानकारी देने के बाद पत्रकार बसंत जोशी के द्वारा नरेश सिंह को उनकी 13 हजार रुपए से अधिक की रकम सुरक्षित सौंप दी गई। रुपए पाकर नरेश सिंह का खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने बसंत जोशी की ईमानदारी की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा ईमानदारी आज भी जिंदा है। नरेश सिंह ने बताया कल से वह काफी परेशान थे तथा रुपए गुम होने की सूचना उनके द्वारा थाना लोहाघाट में भी दी गई थी। उन्होंने बताया वह गांव में दुकान चलाते है ।दुकान के सामान की खरीदारी के लिए यह रकम रखी हुई थी उन्होंने बताया दुकानदारी के साथ साथ वह होली बिजडम स्कूल की बस भी चलाते हैं। कल सुबह उनके रुपए गिर गए थे। वही पत्रकार बसंत जोशी ने कहा यह रुपये दूसरे की अमानत थी जिसे उन्होंने सुरक्षित उन्हें सौंप दिया है।

डीपीएस की छात्रा हर्षा ने किया राज्य का नाम रोशन

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर । दिल्ली पब्लिक स्कूल की होनहार छात्रा हर्षा अरिप्रसाथ जिसने सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में 500 में से 500 अंक प्राप्त कर अपना , स्कूल, अपना परिवार का हीं नहीं बल्कि पूरे उधम सिंह नगर सहित उत्तराखंड का नाम रोशन किया । इस होनहार छात्रा एवम उनके क्लास टीचर सहयोगी टीचर स्कूल के डायरेक्टर सहित सभी स्कूल के सहयोगियों को उधम सिंह नगर कृषि रक्षा समिति और फर्टिलाइजर संगठन की ओर से सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया जिससे बाकि छात्र छात्राओं को प्रेरणा मिले। जिसमें अध्यक्ष सरदार सुरमुख सिंह विर्क ,अजय नारायण सिंह , आरिफ निहाल, नरेंद्र त्यागी स्कूल के डायरेक्टर सुरजीत सिंह ,हरमन सिंह एवम तमाम पेस्टीसाइड कंपनी के पदाधिकारी सहित उधम सिंह नगर के खाद वितरक मौजूद रहे और बिटिया हर्षा के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दिए।

दो दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट डीएम कंट्रोल रूम पहुंचे

रुद्रप्रयाग। मौसम विभाग द्वारा अगले दो दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किए जाने के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। संभावित आपदा को देखते हुए जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने देर रात्रि जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र और यात्रा कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने कंट्रोल रूम में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से यात्रा मार्गों, संवेदनशील स्थलों और मौसम की स्थिति की निगरानी व्यवस्था का गहन परीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निगरानी प्रणाली को और अधिक मजबूत किया जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए 24 घंटे सतर्क रहना अनिवार्य है। उन्होंने एसओएस कॉल सेंटर की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की और निर्देशित किया कि सूचना का आदान-प्रदान तेज, सटीक और प्रभावी होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी आपदा या आपात स्थिति में तुरंत रिस्पॉन्स दिया जाए और सभी टीमें 24 घंटे अलर्ट मोड में रहें। हर सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया।